अटक गया मन श्याम मेरा तेरी लटकन में | By Ram Shankar

अटक गया मन श्याम मेरा तेरी लटकन में
काला जादू है इन काली अंखियन में
पार जिगर के काजल की ये धार हुई
पार जिगर के काजल की ये धार हुई
बंध गया दिल दीवाना बाजुबंधन में
काला जादू है इन काली अंखियन में

करके जब तिरछी नजरिया मुस्कराये तू
दिल तो क्या है आत्मा में आये जाए तू
गाल मक्खन से हैं तेरी चाल मस्तानी
चाँद शरमा जाये ऐसा मुखड़ा नूरानी
तेरे पीछे डोलू तेरी गलियन में
तेरे पीछे डोलू तेरी गलियन में
काला जादू है इन काली अंखियन में
बंध गया दिल दीवाना बाजुबंधन में

तू मुझे मिल जाए जो फागुन के मेले में
भीगना है संग तेरे प्यारे अकेले में
अपने रंग में रंग देना तू मुझको सांवरिया
पिचकारी का काम करेगी तेरी बाँसुरिया
आ जाऊँगा मैं फिर तेरी बातियन में
आ जाऊँगा मैं फिर तेरी बातियन में
काला जादू है इन काली अंखियन में
बंध गया दिल दीवाना बाजुबंधन में

मोर पंखी का मुकुट पाँव मैं पैजनिया
बिक गया बिन दाम मेरे श्याम ये बनिया
बाँध ली जब गायरस के दिन जयपुरी पगड़ी
झूम के ठुमका लगाया पेहेन के तगड़ी
लुट गए लाखों तेरी कमर की लचकन में
लुट गए लाखों तेरी कमर की लचकन में
काला जादू है इन काली अंखियन में
बंध गया दिल दीवाना बाजुबंधन में

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%9f%e0%a4%95-%e0%a4%97%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80/>